

2/3/204

पत्राग पैश डई। अपुली/विणो की तलबी
हेतु अनेकु बार अकसर दिये जा
कुठे ही वादी कुठिल कुठे बार-बार
आवाज लगवाई गई। लेकिन मुझे
उप. नहीं। तलबी हेतु अब अकसर
दिये जाना उचित नहीं है। अतः

प्रार्थना - पत्र अदम कुमिल अदम
पैरवी में खारिज किया जाता है।

पत्राग कुशल शुभाकर
कम्बल से कम की जाकर दारिद्र्य
दृष्टा है।

